

बीआरटी/एबीआरसीसी अवलोकन प्रपत्र – टर्म 2

जिले का नाम

बीआरटी सदस्य/एबीआरसी का नाम

अवलोकनकर्ता का नाम व पद

ब्लाक

आवंटित संकुलों का नाम

अवलोकन का दिनांक

नोट: कक्षा अवलोकन, शिक्षक और बच्चों से बातचीत के बाद दिए गए इंडिकेटर के स्तर D, C, B या A पर टिक करें।

1. अपने अकादमिक दायित्व की समझ और उसका पालन करना।			
A	B	C	D
अपने अकादमिक दायित्वों पर सुस्पष्ट समझ है जिसके आधार पर अकादमिक प्लान बनाकर शिक्षक सपोर्ट में उसका प्रभावी प्रयोग करते हैं।	अपने अकादमिक दायित्वों पर स्पष्ट समझ है। स्कूल विजिट के दौरान शिक्षक सपोर्ट में उसका प्रयोग करते हैं।	अपने अकादमिक दायित्वों के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं। लेकिन उसका अकादमिक उपयोग यदा कदा ही करते हैं।	अपने अकादमिक दायित्व के बारे में जानकारी नहीं है। शिक्षकों को किसी भी प्रकार की अकादमिक मदद नहीं दे पा रहे हैं।
2. शिक्षकों पर टीका-टिप्पणी की बजाय उनका उत्साहवर्धन करना। (निरीक्षक की बजाय सहयोगी की भूमिका)			
A	B	C	D
स्कूलों में प्लान के साथ जाते हैं, सहयोगी के रूप में शिक्षक को सपोर्ट करते हैं। शिक्षकों, बच्चों के बीच रचनात्मक, उत्साहवर्धक माहौल बनाते हैं।	स्कूलों में अकादमिक सहयोगी की तरह जाते हैं शिक्षकों का उत्साहवर्धन करते हैं। उनकी जरूरत अनुसार मदद करते हैं	स्कूलों में भौतिक सत्यापन तथा सूचनाओं के आदान प्रदान हेतु जाते हैं। कभी कभी पठन-पाठन से जुड़ी सामान्य चर्चा भी करते हैं।	स्कूलों में निरीक्षक की तरह जाते हैं। कमियां निकालते हैं तथा नकारात्मक टिप्पणियों द्वारा शिक्षकों को हतोत्साहित करते हैं।
3. अपने क्षेत्र की वास्तविक परिस्थितियों और शिक्षकों की अपेक्षाओं के प्रति सजग हैं।			
A	B	C	D
अपने क्षेत्र की भाषा भूषागत परिस्थितियों से भली भांति परिचित हैं। शिक्षकों की अपेक्षाओं से पूरी तरह परिचित हैं तथा उन पर आवश्यक मदद देते हैं।	अपने क्षेत्र तथा शिक्षकों से जुड़ी सामान्य जानकारी रखते हैं तथा शिक्षकों की अपेक्षाओं पर संभव चर्चा करते हैं।	अपने स्कूलों तथा क्षेत्र के बारे में जानकारी रखते हैं। शिक्षकों से संबंधित व्यक्तिगत जानकारी रखते हैं।	अपने क्षेत्र की जानकारी का अभाव है। स्कूल के बारे में भी बहुत अल्पजानकारी रखते हैं।
4. शिक्षकों के बारे में समझ है और उनकी जरूरत के अनुसार मदद करते हैं।			
A	B	C	D
सभी शिक्षकों के नाम, उनकी योग्यता, अकादमिक अभिरुचियों तथा विशेषज्ञता व कमियों के क्षेत्रों से परिचित हैं। उनकी कमियां सुधारने में मदद करते हैं तथा खूबियों का संकुल में प्लानिंग के साठ उपयोग करते हैं।	सभी शिक्षकों से भली भांति परिचित हैं तथा उनकी अकादमिक आवश्यकताओं को पहचानकर कमियां सुधारने में मदद देते हैं। शिक्षकों से आत्मीय व्यवहार करते हैं।	शिक्षकों के बारे में आवश्यक जानकारी यथा नाम, निवास, अकादमिक अनुभव, रुचि के क्षेत्र आदि की जानकारी रखते हैं। उनकी जरूरतों और आवश्यकता के क्षेत्रों पर सामान्य समझ रखते हैं।	शिक्षकों के बारे में केवल सामान्य जानकारी यथा नाम, निवास आदि ही रखते हैं। उनकी जरूरतों और आवश्यकता के क्षेत्रों की समझ नहीं है।
5. एक दूसरे के अनुभवों और विचारों के आदान-प्रदान के लिए शिक्षकों के बीच मेल-मिलाप का आयोजन करते हैं।			
A	B	C	D
शिक्षकों के अनुभव एवं विचारों के आदान प्रदान की सुविचारित प्लानिंग करते हैं। उसका उपयोग निर्धारित समयान्तराल पर नियमित रूप से करते हुए उसको प्राप्तर डाक्यूमेंट भी करते हैं।	शिक्षकों के अनुभवों के आदानप्रदान के लिए बैठकों में एक दूसरे की सफलताओं को साझा कराते हैं। संकुल के साथ मिलकर लागू करते हैं।	शिक्षकों के अनुभवों के आदान प्रदान हेतु प्लानिंग की समझ रखते हैं तथा उसके क्रियान्वयन हेतु संकुल प्रभारियों के साथ प्रयास करते हैं।	शिक्षकों के मध्य अनुभवों के आदान प्रदान का कोई अवसर या प्लानिंग नहीं है। शिक्षकों या एनपीआरसी से केवल सूचनाओं का आदान प्रदान ही करते हैं।
6. स्वयं को आदर्श रूप में प्रस्तुत करते हैं।			
A	B	C	D
शिक्षक एवं बच्चों के बीच मित्रवत रहते हुए रचनात्मक सहयोग देते हैं, आदर्श शिक्षण अनुभवों की रचना करते हैं। संकुल प्रभारियों से मिलकर शैक्षिक अनुसमर्थन करते हैं।	संकुल, शिक्षक, बच्चों के बीच मित्रवत रहते हैं। शैक्षिक कठिनाइयों पर बात करते हैं। आवश्यक प्रस्तुतीकरण भी देते हैं।	शिक्षकों के बीच जाकर पठन पाठन की सामान्य चर्चा करते हैं। उनको स्कूल सुधारे की सलाह देते हैं। संकुल प्रभारियों से बातचीत होती है।	शिक्षकों के बीच जाकर अकादमिक से ज्यादा अन्य मुद्दों पर चर्चा करते हैं। संकुल से तालमेल का अभाव है।
स्तर 1			
7. एक ऐसे माडल का विकास और क्रियान्वयन करते हैं जिसमें एनपीआरसी और शिक्षक एक दूसरे को नियमित सुनते हैं।			
A	B	C	D
विविध सवालियों के जरिए शिक्षकों को एनपीआरसी को सुनते हैं, बैठकों में सभी को अपने अनुभव साझा करने का समय मिलता है। सभी की राय मांगते हैं उस अनुसार प्लान करते हैं।	एनपीआरसी और शिक्षकों से जब भी मिलते हैं उनके पिछले कार्य अनुभवों के बारे में धैर्यपूर्वक सुनते हैं उनको सवालियों के लिए प्रोत्साहित करते हैं।	एनपीआरसी और शिक्षकों से कभी-कभी उनके काम के बारे में पूछताछ करते हैं।	एनपीआरसी या शिक्षकों से जब मिलते हैं उन्हें कोई न कोई निर्देश, सुझाव देते रहते हैं।
8. बच्चों के लिए रोचक तरीके से नई पठन सामग्री के पढ़ने की शुरुआत कराने के लिए विचारों और पढ़ी गई सामग्री पर चर्चा के लिए तर्क सम्बन्धी प्रश्नों का संकलन बनाते हैं और इसे एनपीआरसी तथा शिक्षकों से साझा करते हैं।			
A	B	C	D
नई किताबों के परिचय और उन पर चर्चा के लिए तर्क आधारित सवालियों का संकलन बनाये हैं जिसे एनपीआरसी और शिक्षकों से समय-समय पर साझा करते हैं, इसे कक्षाओं में लू करारते हैं।	लाईब्रेरी की अन्य किताबों के प्रयोग को प्रोत्साहित करते हैं। नई किताबों के परिचय के लिए एनपीआरसी व शिक्षकों को कुछ तरीके सुझाते हैं।	पाठ्यपुस्तकों और अभ्यास पुस्तक के साथ-साथ कभी-कभार लाईब्रेरी के पुस्तकों के प्रयोग की सलाह देते हैं। पढ़ी गई पुस्तकों पर पूछताछ के लिए कहते हैं।	एनपीआरसी और शिक्षकों से कोर्स पूरा करने के लिए कहते हैं, पाठ्यपुस्तक में दिग गए अभ्यासों को पूरा कराने पर जोर देते हैं।
9. गणित शिक्षण को रुचिकर बनाने के लिए बच्चों के दैनिक अनुभवों और परिवेशीय ठोस सामग्री के प्रयोग के विविध उदाहरणों के साथ एनपीआरसी और शिक्षकों का समर्थन करते हैं।			

A	B	C	D
गणितीय अवधारणाओं की समझ के लिए बच्चों के दैनिक जीवन के उदाहरण व ठोस सामग्री के प्रयोग का एनपीआरसी व शिक्षकों के समक्ष प्रदर्शन करते हैं, उन्हें ऐसा करने में मदद करते हैं।	गणितीय अवधारणाओं के परिचय के लिए बच्चों के दैनिक जीवन के उदाहरण व ठोस सामग्री के प्रयोग के सुझाव देते हैं शिक्षकों व एनपीआरसी को देते हैं।	गणित की नई अवधारणाओं के परिचय के लिए एनपीआरसी, शिक्षकों को विविध प्रकार के उदाहरणों का प्रयोग करने के लिए कहते हैं।	गणित में अधिक से अधिक सवालों को हल कराने पर जोर देने के लिए एनपीआरसी, शिक्षकों को निर्देशित करते रहते हैं।
स्तर 2			
10. सीखने के उद्देश्यों से जुड़ी और स्थानीय सन्दर्भयुक्त विविध गतिविधियों के उदाहरण सहित शिक्षण योजना और शिक्षक समर्थन योजना के नमूने के साथ बीआरसी द्वारा एनपीआरसी और शिक्षकों को योजना बनाने और उसे लागू करने में मदद की जाती है।			
A	B	C	D
एनपीआरसी और शिक्षकों के साथ नियमित बैठककर विविध रोचक और स्थानीय सन्दर्भयुक्त युक्त उदाहरणों को उनके योजना में सम्मिलित करा उसे लागू कराते हैं। लागू करने के दौरान उनका सतत समर्थन करते हैं।	शिक्षकों शिक्षण योजना बनाते समय विविध स्थानीय सन्दर्भ युक्त उदाहरणों के साथ उनकी मदद करते हैं। एनपीआरसी के साथ फालोअप योजना बनाने में सहयोग करते हैं।	एनपीआरसी और शिक्षकों को योजना बनाने में मदद करते हैं, उनको अपनी योजना अनुसार कार्य करने में सहयोग करते हैं।	शिक्षकों को योजना बनाकर शिक्षण और एनपीआरसी को योजना बनाकर सपोर्ट के लिए निर्देश और सुझाव देते हैं।
11. बीआरसी द्वारा मौलिक और रचनात्मक लेखन के विविध अभ्यास सीआसी को कराए जाते हैं जिससे वे यही अभ्यास शिक्षकों के साथ करें, बच्चों के साथ ऐसे अभ्यास कराने में शिक्षकों का समर्थन करें।			
A	B	C	D
बच्चों के स्वतंत्र और मौलिक लेखन के विविध उदाहरण शिक्षकों और एनपीआरसी से साझा करते हैं तथा उनसे इस प्रकार के अभ्यास कराने पर जोर देते हैं। विजिट व बैठकों में इसका फालोअप करते हैं।	बच्चों को अपने मन से सोचकर लिखने का अभ्यास कराने के लिए शिक्षकों तथा एनपीआरसी को कहते हैं तथा इस बारे में उनको प्रोत्साहित व मदद करते हैं।	पाठ्यपुस्तक में दिए गए प्रश्नों के उत्तर बच्चों को स्वयं खोजकर लिखने और याद कराने के सुझाव शिक्षकों को देते हैं, फालोअप के लिए एनपीआरसी को कहते हैं।	पाठ्यपुस्तक में दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखवाने और उनको रटवाने के लिए शिक्षकों तथा एनपीआरसी को कहते रहते हैं।
12. गणितीय भाषा की समझ और उसके विविध उपयोग के बारे में बीआरसी द्वारा एनपीआरसी को इस रूप में इनपुट प्रदान किया जाता है कि वे इस योजनाबद्ध तरीके से कक्षाओं में लागू कराएं।			
A	B	C	D
गणितीय भाषा की समझ के लिए विविध प्रकार के तार्किक सवालों और उदाहरणों को शिक्षकों व एनपीआरसी के प्लान में सम्मिलित कराते हैं और उसके अनुसार शिक्षण पर जोर देते हैं। एनपीआरसी के साथ नियमित फालोअप करते हैं।	गणितीय भाषा की समझ के लिए प्लान में विविध उदाहरण सम्मिलित करने के लिए शिक्षकों व एनपीआरसी को सुझाव देते हैं तथा इसका फालोअप व समर्थन करते हैं।	शिक्षकों से गणित पाठ्यपुस्तक में दिए गए लर्निंग आउटकम के अनुसार प्लान व शिक्षण के लिए कहते हैं, एनपीआरसी से इसी के फालोअप के लिए जोर देते हैं।	एनपीआरसी और शिक्षकों से पाठ्यपुस्तक पूरा करने की प्लानिंग करने और उस अनुसार शिक्षण करने पर जोर देते हैं।
स्तर 3			
13. बीआरसी द्वारा शैक्षिक मुद्दों की पहचान और उनमें सुधार हेतु एनपीआरसी को सपोर्ट करने के लिए के अपने ब्लाक और संकुलों के आकलन सम्बन्धी विविध स्रोतों के डाटा का उपयोग किया जाता है।			
A	B	C	D
बच्चों के आकलन के रिकार्ड का विश्लेषण कर शिक्षकों और एनपीआरसी को योजना बनवाते हैं, पीछे पड़ रहे बच्चों के लिए रोचक तरीके सम्मिलित कराते हैं, इसका फालोअप करते हैं।	बच्चों के आकलन के रिकार्ड का शिक्षकों व एनपीआरसी के साथ मिलकर विश्लेषण कराते हैं और उस अनुसार पीछे पड़ रहे बच्चों की मदद को कहते हैं।	बच्चों के आकलन के अनुसार शिक्षण करने और उसके फालोअप के लिए सुझाव और निर्देश देते हैं। पीछे पड़ रहे बच्चों को अलग से पढ़ाने को कहते हैं।	बच्चों का नियमित आकलन करने और किए गए आकलन का रिकार्ड मॉटेन कराने पर विशेष जोर देते हैं।
14. पाठ्यपुस्तक में सम्मिलित विविध विधाओं की गहरी समझ के लिए हर माह की जाने वाली गतिविधियों के बारे में एनपीआरसी और शिक्षकों से चर्चा करते हैं तथा अगली मीटिंग में फालोअप करते हैं कि शिक्षक क्या सफलतापूर्वक कर पाए।			
A	B	C	D
पाठ्यपुस्तक के आलवा विविध विधाओं की अन्य रचनाओं के साथ क्रम देना, आगे बढ़ाना, संक्षेपीकरण आदि अभ्यास कराने के लिए शिक्षकों व एनपीआरसी को उदाहरण सहित सुझाव देते हैं, इसका फालोअप व सपोर्ट करते हैं।	बैठकों में पाठ्यपुस्तक में दिए विविध विधाओं के साथ क्रम देना, आगे बढ़ाना, संक्षेपीकरण आदि अभ्यास कराने के लिए शिक्षकों व एनपीआरसी को उदाहरण सहित सुझाव देते हैं।	बैठकों में पाठ्यपुस्तक में दिए विविध विधाओं के साथ मौखिक और लिखित अभ्यास को पूरा कराने के लिए शिक्षकों को सुझाव देते हैं। एनपीआरसी को इसके फालोअप के लिए निर्देश देते हैं।	बैठकों में या विजिट के दौरान भाषा की पाठ्यपुस्तक में दिए गए सवालों का उत्तर लिखवाने और उन्हें याद कराने पर जोर देने के लिए शिक्षकों और एनपीआरसी को निर्देश देते हैं।
15. विविध प्रकार के डाटा के प्रयोग के साथ तार्किक चिन्तन को बढ़ावा देने वाली, स्थानीय सन्दर्भ के उपयुक्त और पढाए जाने वाले पाठों से सम्बन्धित गणितीय प्रब्लेम साल्विंग की गतिविधियों का संकलन बनाते हैं, इन गतिविधियों को कक्षा में किए जाने वाले तरीकों पर एनपीआरसी और शिक्षकों का ओरिएंटेशन करते हैं, शिक्षकों और एनपीआरसी के अनुभवों पर फीडबैक लेते हुए सतत फालोअप और समर्थन करते रहते हैं।			
A	B	C	D
विविध प्रकार के डाटा का उपयोग कर गणितीय संक्रियाओं से सम्बन्धित प्रब्लेम साल्विंग अभ्यास तथा उनको करने के तरीकों के बारे में शिक्षकों व एनपीआरसी को मदद करते हैं।	गणितीय संक्रियाओं से सम्बन्धित विविध प्रकार के प्रब्लेम साल्विंग अभ्यास शिक्षकों व एनपीआरसी से साझा कर उन्हें बच्चों के साथ करने को कहते हैं।	पाठ्यपुस्तक में विविध गणितीय संक्रियाओं से सम्बन्धित प्रब्लेम साल्विंग के अभ्यास कराने के लिए शिक्षकों व एनपीआरसी को सुझाव देते हैं।	गणितीय संक्रियाओं से सम्बन्धित अधिक से अधिक सवालों को हल कराने के लिए शिक्षकों व एनपीआरसी को कहते रहते हैं।